

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, पर्यटन,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक १३ मई, 2008

विषय:- वित्तीय वर्ष 2008-09 में पर्यटन विभाग हेतु आयोजनागत तथा आयोजनेत्तर पक्ष में आवंटित धनराशि निम्न विवरणानुसार निदेशक पर्यटन के निवर्तन में रखे जाने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के पत्र संख्या-267/XXVII(I)/2008, दिनांक 27 मार्च, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2008-09 में पर्यटन विभाग हेतु आयोजनागत पक्ष में रु० 3994.92 लाख (रुपये उनतालीस करोड़ चौरानवे लाख ब्यान्बे हजार मात्र) तथा आयोजनेत्तर पक्ष में रु० 66.00 लाख (रुपये छयासठ लाख मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार निदेशक पर्यटन के निवर्तन में रखे जाने की इस शर्त के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि धनराशि का आहरण एकमुश्त न करके यथा आवश्यकतानुसार किशतों में ही किया जायेगा।

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र० सं०	मानक मद	परिव्यय	वित्तीय वर्ष 2008-09 में स्वीकृत की जा रही धनराशि	
1	2	3	4	
			आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1	लेखाशीर्षक 5452-पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय-80-सामान्य-104-सम्बर्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-19-पर्यटक आवास गृहों/पर्यटन विकास योजनाओं के लिये भूमि अध्याप्ति/कय-42-अन्य व्यय	650.00	650.00	-
2	47-निर्माण कार्य चालू-24-वृहत्त निर्माण कार्य	1000.00	969.92	-
3	लेखाशीर्षक-3452-पर्यटन-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्धन तथा प्रचार-07-ऋण उपादान/स्वरोजगार योजना (जिला योजना)-20-सहायक अनुदान/अंश दान/राज सहायता	600.00	600.00	-
4	लेखाशीर्षक 3452-पर्यटन-80-सामान्य-001- निदेशन तथा प्रशासन-06-होटल मैनेजमेंट सोसायटी को अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	125.00	125.00	-
5	001-निदेशन तथा प्रशासन-03-उत्तराखण्ड राज्य पर्यटन विकास परिषद-20-सहायक अनुदान/अंश दान/राज सहायता	1780.00	1650.00	66.00
	योग-	4155.00	3994.92	66.00

2-यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3-वितरण अधिकारी के द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी०एम० 8 प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व के माह को व्यय का विवरण उक्त अधिकारी के द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा और नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक (मा० मुख्यमंत्री जी/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

- 4-स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है, मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं होगा। बजट योजनावार आवंटन उसके विपरित मासिक योजनावार व्यय का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 5-उपरोक्त धनराशि एकमुश्त निवर्तन पर इस शर्त के अधीन है कि वार्षिक योजना 2008-09 में नियोजन विभाग द्वारा योजनावार वर्गीकृत/आवंटित परिव्यय की सीमा में ही व्यय सुनिश्चित किया जायेगा। इसका दायित्व बजट नियंत्रक अधिकारी का होगा।
- 6-चालू योजनाओं की धनराशि का व्यय उन्ही योजनाओं पर किया जायेगा जिनकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति 75 प्रतिशत या उससे अधिक हो की प्रशासकीय स्वीकृति शासन स्तर से निर्गत की जायेगी एवं धनराशि का आहरण तीन माह की आवश्यकता की सीमायें निर्धारित कर की जायेगी।
- 7-वित्तीय वर्ष के अन्त में कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 8-कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित निर्माण इकाई के अधिशासी अभियन्ता उत्तरदायी होंगे।
- 9-प्रत्येक योजना में निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने पर एक साइनेज स्थापित कर दिया जायेगा, जिसमें कार्य का पूर्ण विवरण उत्तराखण्ड पर्यटन के "लोगों" सहित इंगित किया जायेगा, जैसा कि उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद द्वारा प्रत्येक निर्माण इकाई को इंगित किया जा चुका है।
- 10-उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत स्तम्भ-1 में उल्लिखित लेखाशीर्षकों के नामें डाला जायेगा।
- 11-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0प0सं0-502/XXVII(2)/2008, दिनांक 22 मई, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।

संख्या- 407/VI/2008-2(9)2008 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1-महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
- 2-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3-आयुक्त, गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल।
- 4-श्री एल०एम०पन्त, अपर सचिव वित्त, बजट अनुभाग।
- 5-अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6-निजी सचिव मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 7-निजी सचिव मा० पर्यटन मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 8-निजी सचिव मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 9-समस्त जिला पर्यटन विकास अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 10-निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड।
- 11-वित्त अनुभाग-2,
- 12-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(श्याम सिंह)
अनुसचिव।